..उत्तर प्रदेश शासन

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग

का

कार्यपूर्ति दिग्दर्शक
आय–व्ययक

वर्ष 2008–09

प्रस्तावना

भारत सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासकीय सुधार आयोग ने संस्तुति की थी कि केन्द्र एवं राज्य सरकार उन विभागों/संगठनों के संबंध में कार्यपूर्ति दिग्दर्शक आय-व्ययक की पद्धति अपनायें, जिनके अधीन विकास कार्यक्रम चल रहे हैं। केन्द्रीय सरकार उपर्युक्त संस्तुति का अनुसरण करते हुए वर्ष 1968-1969 से कुछ चुने हुए विभागों/संगठनों का कार्यपूर्ति दिग्दर्शक आय-व्ययक बनाती है और संसद में प्रस्तुत करती है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी ऐसी पद्धति अपनाई है। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग उद्योग विभाग के साथ सम्मिलित रूप से पिछले कई वर्षो से उक्त कार्यक्रम के दिग्दर्शक आय-व्ययक सदन में प्रस्तुत करता चला आ रहा है। वर्ष 2007-08 में भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, औद्योगिक विकास विभाग से पृथक कर स्थापित किया गया है। अतः इस वर्ष 2008-09 का प्रथम कार्यपूर्ति दिग्दर्शक आय-व्ययक सदन में पटल पर प्रस्तुत किया जाता है।

एम0वी0एस0रामी रेड्डी
सचिव उद्योग
भूतत्व एवं खनिकर्म।

भूमिका

समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, अनुकूल जलवायु एवं उपजाऊ भू–सम्पदा से युक्त उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा प्रदेश है। उत्तर प्रदेश की संस्कृति एवं जनजीवन, परम्पराओं एवं आधुनिकता का विलक्षण संगम है। उद्योगों के उपयोग के लिए प्रदेश में भूमि और जल जैसे मूल संसाधनों के साथ ही साथ खनिजों की भी प्रचुर उपलब्धता है। जनसंख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा प्रदेश होने के परिणामस्वरूप यह प्रदेश औद्योगिक उत्पादों के मांग के दृष्टिकोण से असीमित बाजार प्रदान करने की क्षमता भी रखता है।

प्रदेश के विकास में उपलब्ध खनिजों से प्राप्त होने वाले राजस्व का एक महत्वपूर्ण योगदान है। खनिज सम्पदा का वैज्ञानिक ढंग से अन्वेषण, तकनीकी रूप से दोहन एवं खनिज आधारित औद्योगिकरण को बढ़ावा देने के लिए खनिज विकास प्रकिया में निजी एवं विदेशी पूंजी निवेश को प्रोत्साहित कर पर्यावरण व परिस्थितिकी संतुलन के संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए उद्यमिता का विकास करना ताकि खनिज राजस्व में अधिकाधिक वृद्धि किया जा सके। खनन क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाएं, कल्याण योजनाओं तथा खनिज अन्वेषण कार्यक्रमों को गति प्रदान करने के लिए खनिज विकास निधि से भी वित्तीय पोषण की व्यवस्था की गयी है।

विषय–सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
वित्तीय आवश्यकताएंः अनुदान संख्या–4 (खानें और खनिज)	1–9
भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय,उत्तर प्रदेश, लखनऊ	10–18
“ई–गवर्नेन्स” की प्रगति	19–21

"वित्तीय आवश्यकतायें"

अनुदान संख्या–4 (खानें और खनिज)

भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय,उ0प्र0, लखनऊ।

तालिका
"कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों

क्र0 सं0	कार्यक्रम	वास्तविक व्यय 2006-2007			आय-व्ययक अनुमान 2007-2008		
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग
1	2	3	4	5	6	7	8
	खानें और खनिज (अनुदान संख्या-4)						
	राजस्व लेखा:						
	मुख्य लेखाशीर्षक						
	"2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग-"						
	(1) खनन प्रशासन की योजना मतदेय	-	312.84	312.84	-	335.07	335.07
	भारित	-	-	-	-	0.01	0.01
	(2) खनन प्रशासन का सुदृढ़ीकरण	0.23	-	0.23	0.01	-	0.01
	(3) खनिज अन्वेषण	-	673.72	673.72	-	713.36	713.36
	(4) नई खनिज नीति ,1998 के अन्तर्गत उ0प्र0 खनिज निधि से व्यय हेतु व्यवस्था	-	499.44	499.44	-	800.00	800.00
	(5) उ0प्र0 खनिज विकास निधि को संक्रमण	-	500.00	500.00	-	800.00	800.00
	योग-राजस्व लेखा:- (2853) मतदेय	**0.23**	**1986.00**	**1986.23**	**0.01**	**2648.43**	**2648.44**
	भारित	**-**	**-**	**-**	**-**	**0.01**	**0.01**
	पूँजी लेखा :						
	मुख्य लेखाशीर्षक-						
	"4853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योगों पर पूंजीगत परिव्यय"						
	(1)खनिज अन्वेषण योजना का सुदृढ़ीकरण	19.49	-	19.49	0.01	-	0.01
	योग:- पूँजी लेखा (4853) मतदेय	**19.49**	**-**	**19.49**	**0.01**	**-**	**0.01**
	कुल योग:(राजस्व लेखा+पूँजी लेखा) मतदेय	19.72	**1986.00**	**2005.72**	**0.02**	**2648.43**	**2648.45**
	(2853+4853) भारित	**-**	**-**	**-**	**-**	**0.01**	**0.01**
	भाग-4:उन वसूलियों के ब्यौरे जिन्हें लेखे में व्यय में से घटा दिया गया है:-						
	मुख्य लेखाशीर्षक"2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग-"						
	(1)नई खनिज नीति के क्रियान्वयन हेतु व्यय की प्रतिपूर्ति	-	-	-	-	800.00	800.00
	योग:-(2853)	**-**	-	-	-	800.00	800.00

–"क"
का वर्गीकरण"

(रूपयें लाख में)

पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008			**आय–व्ययक अनुमान 2008–2009**		
आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग
9	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**
–	335.07	335.07	–	365.57	365.57
–	0.01	0.01	–	0.01	0.01
0.01	–	0.01	–	–	–
–	713.36	713.36	–	755.46	755.46
–	800.00	800.00	–	800.00	800.00
–	800.00	800.00	–	800.00	800.00
0.01	**2648.43**	**2648.44**	–	**2721.03**	**2721.03**
–	**0.01**	**0.01**	–	**0.01**	**0.01**
0.01	–	0.01	–	–	–
0.01	–	0.01	–	–	–
0.02	**2648.43**	**2648.45**	–	**2721.03**	**2721.03**
–	**0.01**	**0.01**	–	**0.01**	**0.01**
–	800.00	800.00	–	800.00	800.00
–	**800.00**	**800.00**	**–**	**800.00**	**800.00**

तालिका –
"उद्देश्यवार

क्र0 सं0	मद	वास्तविक व्यय 2006–2007			आय–व्ययक अनुमान 2007–2008		
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग
1	2	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
1	वेतन	–	407.49	407.49	–	391.21	391.21
2	मजदूरी	–	17.97	17.97	–	23.00	23.00
3	मंहगाई भत्ता	–	174.55	174.55	–	236.50	236.50
4	यात्रा व्यय	–	18.59	18.59	–	16.15	16.15
5	स्थानान्तरण यात्रा व्यय	–	2.51	2.51	–	2.50	2.50
6	अन्य भत्ते	–	47.16	47.16	–	45.39	45.39
7	मानदेय	–	0.14	0.14	–	0.10	0.10
8	कार्यालय व्यय	–	6.48	6.48	–	6.25	6.25
9	विद्युत देय	–	13.82	13.82	–	16.70	16.70
10	जलकर /जल प्रभार	–	0.03	0.03	–	0.05	0.05
11	लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	–	2.95	2.95	–	3.50	3.50
12	कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	–	1.00	1.00	–	1.00	1.00
13	टेलीफोन पर व्यय	–	2.79	2.79	–	3.85	3.85
14	कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का क्रय	–	14.05	14.05	–	0.01	0.01
15	गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद	–	20.27	20.27	–	19.00	19.00
16	व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	–	0.97	0.97	–	1.00	1.00
17	किराया, उपशुल्क एवं कर स्वामित्व	–	3.21	3.21	–	22.65	22.65
18	प्रकाशन	–	0.48	0.48	–	12.14	12.14
19	विज्ञापन ,बिक्री और विख्यापन व्यय	–	–	–	–	0.01	0.01
20	लघु निर्माण कार्य	–	0.75	0.75	–	0.75	0.75
21	मशीनें और सज्जा/उपकरण एवं संयंत्र	19.49	0.03	19.52	0.01	8.00	8.01
22	अनुरक्षण	–	0.60	0.60	–	0.80	0.80
23	सामग्री एवं सम्पूर्ति	–	17.93	17.93	–	18.00	18.00
24	अन्तर्लेखा संक्रमण	–	500.00	500.00	–	800.00	800.00
25	अन्य व्यय मतदेय	–	505.42	505.42	–	801.50	801.50
26	अन्य व्यय भारित	–	–	–	–	0.01	0.01
27	प्रशिक्षण हेतु यात्रा एवं अन्य प्रासंगिक व्यय	–	2.42	2.42	–	3.91	3.91
28	अवकाश यात्रा व्यय	–	0.44	0.44	–	4.00	4.00
29	कम्प्यूटर/हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	0.23	–	0.23	0.01	0.01	0.02

"ख"
वर्गीकरण"

(रूपयें लाख में)

पुनरीक्षित अनुमान 2007-2008			आय-व्ययक अनुमान 2008-2009		
आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग
9	10	11	12	13	14
-	391.21	391.21	-	393.82	393.82
-	23.00	23.00	-	23.00	23.00
-	236.50	236.50	-	307.18	307.18
-	16.15	16.15	-	16.15	16.15
-	2.50	2.50	-	2.50	2.50
-	45.39	45.39	-	44.91	44.91
-	0.10	0.10	-	0.10	0.10
-	6.25	6.25	-	6.50	6.50
-	16.70	16.70	-	16.70	16.70
-	0.05	0.05	-	0.04	0.04
-	3.50	3.50	-	3.75	3.75
-	1.00	1.00	-	1.00	1.00
-	3.85	3.85	-	3.50	3.50
-	0.01	0.01	-	-	-
-	19.00	19.00	-	22.50	22.50
-	1.00	1.00	-	1.00	1.00
-	22.65	22.65	-	22.65	22.65
-	12.14	12.14	-	12.00	12.00
-	0.01	0.01	-	0.01	0.01
-	0.75	0.75	-	0.75	0.75
0.01	8.00	8.01	-	5.00	5.00
-	0.80	0.80	-	0.75	0.75
-	18.00	18.00	-	18.00	18.00
-	800.00	800.00	-	800.00	800.00
-	801.50	801.50	-	801.50	801.50
-	0.01	0.01	-	0.01	0.01
-	3.91	3.91	-	3.91	3.91
-	4.00	4.00	-	4.00	4.00
0.01	0.01	0.02	-	2.00	2.00

तालिका

"उद्देश्यवार

क्र0 सं0	मद	वास्तविक व्यय 2006-2007			आय-व्ययक अनुमान 2007-2008		
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग
	1	2	3	4	5	6	7
30	कम्प्यूटर अनुरक्षण /तत्संबंधी स्टेशनरी का क्रय	-	1.74	1.74	-	1.75	1.75
31	चिकित्सा व्यय	-	14.04	14.04	-	8.00	8.00
32	मंहगाई वेतन	-	208.17	208.17	-	200.05	200.05
33	वर्दी व्यय	-	-	-	-	0.65	0.65
	योगः-(2853+4853)मतदेय	**19.72**	**1986.00**	**2005.72**	**0.02**	**2648.43**	**2648.45**
	भारित	**-**	**-**	**-**	**-**	**0.01**	**0.01**
	भाग-4 "उन वसूलियों के ब्यौरे जिन्हें लेखे में व्यय में से घटा दिया गया हैः-						
	"2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग"						
	02-खानों का विनियमन तथा विकास-						
	004-अनुसंधान तथा विकास-						
	05- नई खनिज नीति के क्रियान्वयन हेतु व्यय की प्रतिपूर्ति-						
	42-अन्य व्यय	**-**	**-**	**-**	**-**	**800.00**	**800.00**
	योगः-(2853)	**-**	**-**	**-**	**-**	**800.00**	**800.00**

"ख"

वर्गीकरण"

(रूपयें लाख में)

पुनरीक्षित अनुमान 2007-2008			आय-व्ययक अनुमान 2008-2009		
आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग
9	10	11	12	13	14
–	1.75	1.75	–	2.25	2.25
–	8.00	8.00	–	8.00	8.00
–	200.05	200.05	–	196.91	196.91
–	0.65	0.65	–	0.65	0.65
0.02	**2648.43**	**2648.45**	**–**	**2721.03**	**2721.03**
–	**0.01**	**0.01**	**–**	**0.01**	**0.01**
–	**800.00**	**800.00**	**–**	**800.00**	**800.00**
–	**800.00**	**800.00**	**–**	**800.00**	**800.00**

तालिका
वित्तीय संसाधनों

क्र0 स0	अनुदान संख्या	मुख्य लेखाशीर्षक	वास्तविक व्यय 2006-2007			आय-व्ययक अनुमान 2007-2008		
			आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	4	**उद्योग विभाग (खानें और खनिज) राजस्व लेखाः-** "2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग"						
		मतदेय	0.23	1986.00	1986.23	0.01	2648.43	2648.44
		भारित	-	-	-	-	0.01	0.01
		योगः-राजस्व लेखाः (2853) मतदेय	0.23	1986.00	1986.23	0.01	2648.43	2648.44
		भारित	-	-	-	-	0.01	0.01
1.	4	**पूँजी लेखाः-** "4853- अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योगों पर पूंजीगत परिव्यय"	19.49	-	19.49	0.01	-	0.01
		योगः-पूँजी लेखा (4853)मतदेय	19.49	-	19.49	0.01	-	0.01
		कुल योगः-(2853+4853) मतदेय	19.72	1986.00	2005.72	0.02	2648.43	2648.45
		भारित	-	-	-	-	0.01	0.01
1.	4	**भाग-4:उन वसूलियों के ब्यौरे जिन्हें लेखे में व्यय में से घटा दिया गया है:- "2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग"**	**-**	**-**	**-**	**-**	**800.00**	**800.00**
		योगः-(2853)	**-**	**-**	**-**	**-**	**800.00**	**800.00**

–"ग"

का श्रोत

(रूपये लाख में)

पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008			आय–व्ययक अनुमान 2008–2009		
आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	योग
10	11	12	13	14	15
0.01	2648.43	2648.44	–	2721.03	2721.03
–	0.01	0.01	–	0.01	0.01
0.01	2648.43	2648.44	–	2721.03	2721.03
–	0.01	0.01	–	0.01	0.01
0.01	–	0.01	–	–	–
0.01	–	0.01		–	–
0.02	2648.43	2648.45	–	2721.03	2721.03
–	0.01	0.01	–	0.01	0.01
–	800.00	800.00	–	800.00	800.00
–	800.00	800.00	–	800.00	800.00

कार्यपूर्ति दिग्दर्शक आय-व्ययक वर्ष 2008-2009

प्रथम भाग-भूमिका

(1) विभाग का अभ्युदय, विकास तथा उसके मूलभूत उद्देश्यः-

प्रदेश के खनिज संसाधनों को विकसित करने एवं व्यापारिक स्तर के खनिज भण्डारों पर आधारित उद्योगों की स्थापना करवाने के उद्देश्य से भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय की स्थापना वर्ष 1955 में की गयी थी। खनिजों के वैज्ञानिक विकास तथा उपखनिजों के विकास एवं प्रभावी नियत्रंण के दृष्टिकोण से वर्ष 1963 में इस विभाग को खनन प्रशासन का दायित्व भी सौंपा गया था । क्षेत्रीय विकास में त्वरित गति निर्माण कार्यो के होने से पर्यावरण को सम्भावित क्षति के कारणों का अध्ययन करके उसको न्यूनतम स्तर पर बनाये रखने के उद्देश्य से वर्ष 1984 में निदेशालय को अभियांत्रिक भूविज्ञान से संबंधित अध्ययन तथा सर्वेक्षण कार्य भी सौंपा गया था। खनिज विकास के बढ़ते कार्यकलापों को उचित दिशा प्रदान करने हेतु वर्ष 1985 में निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म को खनिज सेक्टर का विभागाध्यक्ष घोषित किया गया है।

विगत वर्षो में निदेशालय द्वारा सीमेन्ट श्रेणी के चूना पत्थर, डोलोमाइट, सिलिकासैण्ड, पाइरोफिलाइट, डायस्पोर, बाक्साइट तथा रॉक फास्फेट के महत्वपूर्ण एवं वृहद मुख्य खनिज भण्डारों की न केवल खोज की गयी जिसमें से अनेक भण्डारों को वैज्ञानिक ढंग विकसित व्यवसायिक स्तर पर दोहन हेतु परिहार पर स्वीकृत करने की संस्तुतियॉ की गई हैं। विगत वर्षो में जनपद सोनभद्र में चाइनाक्ले के वहृद भण्डार एवं सिलिमिनाइट के छोटे भण्डार खोजे गये है जिनकों विकसित करने हेतु प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश में बहुमूल्य खनिजों की खोज विगत वर्षो से की जा रही है जिसमें जनपद सोनभद्र में सोना, जनपद बांदा में हीरे की खोज व ललितपुर में प्लेटिनम वर्ग के धातुओं के पाये जाने से संबंधित खोज का कार्य प्रगति पर है तथा ऐसे व्यापारिक स्तर के भण्डारों को खोजने का प्रयास जारी है। जनपद सोनभद्र क्षेत्र में कोयला भण्डारों की खोज एवं विकास भारत सरकार के संस्थानों द्वारा किया जा रहा है।

खनन प्रशासन के अन्तर्गत विभिन्न जनपदों में उपलब्ध खनिज भण्डारों को परिहार पर स्वीकृत कराये जाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके अन्तर्गत उप खनिज भण्डारों के क्षेत्रों को व्यवस्थित कर अधिकाधिक उप खनिज क्षेत्रों को परिहार पर स्वीकृत कराकर खनिज राजस्व की प्राप्ति सुनिश्चित करायी जा रही है, जिसके फलस्वरूप खनिजों से प्राप्त होने वाली आय प्रदेश के राजस्व का एक प्रमुख श्रोत बन गया है। निदेशालय द्वारा खनन प्रशासन के अन्तर्गत न केवल क्षेत्रों को परिहार पर स्वीकृत कराया जा रहा है, अपितु उप खनिजों के अवैध खनन/परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण भी सुनिश्चित कराया जा रहा है। चट्टान के रूप में पाये जाने वाले उप खनिजों के वैज्ञानिक दृष्टि से खनन सुनिश्चित कराये जाने हेतु समस्त परिहारों में खनन योजना की व्यवस्था लागू करायी गयी है ताकि खनन कार्यो में पर्यावरण एवं परिस्थितिकी पर समुचित सन्तुलन रखा जा

सके। खनिजों के सन्तुलित विकास एवं खनिज आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 1998 में पहली बार खनिज नीति घोषित की गयी और उसका समय-समय पर मूल्यांकन किया जा रहा है। खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना हेतु उद्यमियों को आकर्षित किये जाने हेतु उपयुक्त सूचनाओं आदि की उपलब्धता भी सुनिश्चित करायी जा रही है, जिसके फलस्वरूप कतिपय संस्थाओं द्वारा खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना हेतु धात्विक खनिजों की अवस्थित की अवधारणा की पुष्टि की स्थिति में बुन्देलखण्ड क्षेत्र के झांसी, महोबा व ललितपुर क्षेत्रों में अवीक्षी अनुज्ञा पत्र (रिकोनेसेन्स परमिट) भी स्वीकृत किये गये हैं।

विभाग के मूलभूत उद्देश्य निम्नवत् है-

(क) खनिज अन्वेषण

खनिज अन्वेषण कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रदेश में नये खनिज भण्डारों की खोज एवं खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना हेतु औद्योगिक एवं व्यवसायिक दृष्टिकोण से उपयुक्त खनिज भण्डारों का सिद्धीकरण किया जाना है।

(ख) खनन प्रशासन

खनन प्रशासन कार्यों के अन्तर्गत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में उपलब्ध खनिज भण्डारों का वैज्ञानिक दृष्टि से दोहन किये जाने के लिए परिहार पर स्वीकृत किये जाने हेतु तकनीकी संस्तुतियॉ उपलब्ध करायी जाती हैं, ताकि प्रदेश को खनिजों से अधिकाधिक राजस्व प्राप्त हो सके। उक्त कार्यों के सुचारू सम्पादन में विभाग के मुख्यालय के अतिरिक्त समस्त 09 क्षेत्रीय कार्यालयों एवं 31 जनपदीय क्वैरी कार्यालयों के माध्यम से खनिज क्षेत्रों को परिहार पर स्वीकृत कराये जाने हेतु सम्बन्धित जिलाधिकारियों एवं शासन को तकनीकी संस्तुतियॉ प्रदान की जाती हैं ताकि पर्यावरण एवं परिस्थितिकी पर समुचित सन्तुलन रखते हुए वैज्ञानिक ढंग से खनन कार्य निष्पादन हो सके।

(2) विभागीय पदों का गत तीन वित्तीय वर्षो का विवरण-

समूह	2005-06	2006-07	2007-08
"क"	26	26	26
"ख"	60	60	60
"ग"	297	297	297
"घ"	127	127	127
योग-	510	510	510

टिप्पणी- निदेशालय में अधिसंख्य पदों पर कार्यरत 80 कार्मिकों को उक्त स्वीकृत पदों में सम्मिलित नहीं किया गया है।

प्रदेश के क्वैरी/जनपदीय कार्यालयों के गत तीन वर्षों के पदों का विवरण-

समूह	2005–06	2006–07	2007–08
"क"	–	–	–
"ख"	01	01	01
"ग"	63	63	63
"घ"	61	61	61
योग–	125	125	125

टिप्पणी:–क्वैरी/जनपदीय कार्योलयों में अधिसंख्य पदों पर कार्यरत 09 कार्मिकों को उक्त स्वीकृत पदों में सम्मिलित नहीं किया गया है।

विभागीय संगठन का चार्ट तालिका के अन्त में परिशिष्ट के रूप में संलग्न है।

(3) कार्यक्रम/कार्यकलापवार उद्देश्यों की पूर्ति हेतु गत तीन वित्तीय वर्षो के लक्ष्य व उपलब्धि तथा प्राविधानित परिव्यय व व्यय का विवरण–

(क) खनिज अन्वेषण

निदेशालय द्वारा वर्ष 2003–04 व 2004–05 में कुल 08 खनिज अन्वेषण कार्यक्रमों जिनके अन्तर्गत जनपद ललितपुर में बहुमूल्य खनिजों जैसे सोना, प्लेटिनम, प्लेडियम व मॉलीबिडनम के 03 कार्यक्रम तथा जनपद सोनभद्र में सीमेन्ट श्रेणी चूना पत्थर, चाइना क्ले, सिलेमिनाइट व स्वर्ण धातु के 04 अन्वेषण कार्यक्रम एवं जनपद बॉदा में हीरे की खोज से सम्बन्धित 01 अन्वेषण कार्यक्रम संचालित किये गये थे। वर्ष 2005–06 एवं 2006–07 में उपरोक्त पूर्व संचालित 08 अन्वेषण कार्यक्रमों के अतिरिक्त 03 नये कार्यक्रमों जिसमें से जनपद सोनभद्र में आधारभूत धात्विक खनिजों की खोज, जनपद ललितपुर की बेरवार शिलाओं में स्वर्ण धातु की खोज तथा झांसी एवं महोबा जनपदों की क्वार्टज शिलाओं के मूल्यांकन से सम्बन्धित कार्यक्रम संचालित किये गये। वर्ष 2006–07 एवं 2007–08 में पूर्व से चल रहे दो अन्वेषण कार्यक्रमों के पूरा हो जाने के कारण बचे नौ कार्यक्रमों एवं जनपद सोनभद्र में जुॅगेल–गरदा क्षेत्रों में चाइनाक्ले संबंधी एक नये कार्यक्रम को मिलाकर कुल दस कार्यक्रमों का संचालन कराया जा रहा है।

खनिज अन्वेषण के अन्तर्गत गत तीन वर्षो में निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष प्राप्त उपलब्धियों एवं वर्तमान वर्ष में प्रस्तावित अन्वेषण कार्यों के लक्ष्य व जनवरी–2008 तक की उपलब्धियों का विवरण निम्नवत् प्रस्तुतः–

क्र0 स0	मद	इकाई	2004-05		2005-06		2006-07		2007-08	
			लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि (जनवरी-08 तक)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	वेधन	मीटर	2000	1794.37	2000	1997.96	2000	1138.07	2000	1400.00
2.	पिटिंग/ट्रेंचिंग	घनमीटर	1000	1385.25	1000	1665.37	1200	1147.10	1200	840.00
3.	भू-मानचित्रण	वर्ग कि0मी0	6.00	3.05	6.00	17.925	7.00	13.112	8	5.50
4.	ट्रेवर्सिंग	वर्ग कि0मी0	600	155	600	613	600	527	600	416.00

(ख) खनन प्रशासन

खनन प्रशासन कार्यो के अन्तर्गत मुख्यतः खनिज परिहार आवेदन पत्रों का निस्तारण, उप खनिज सर्वेक्षण, खनन योजनाओं का अनुमोदन, खनन क्षेत्रों एवं जनपद कार्यालयों का निरीक्षण, खनिज राजस्व का अनुश्रवण तथा विभिन्न माननीय न्यायालयों में लम्बित वादों का निस्तारण सम्मिलित था।

विगत तीन वित्तीय वर्षो में खनिज राजस्व का लक्ष्य व उसके समक्ष राजस्व प्राप्तियों की स्थिति निम्नवत् हैः-

(रू0 करोड़ में)

मद	वर्ष 2004-05		वर्ष 2005-06		वर्ष 2006-07		वर्ष 2007-08 (जनवरी, 08 तक)	
	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
खनिज राजस्व	290.00	291.94	320.10	354.59	350.50	344.76	448.96	295.15

खनिज अन्वेषण तथा खनन प्रशासन के अन्तर्गत कार्यक्रमों का संचालन आयोजनेत्तर मदों में उपलब्ध धनराशि से किया जाता है तथा इनका आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण आयोजनागत मदों में उपलब्ध धनराशि से किया जाता है। इन वर्षो में बजट प्राविधान (आयोजनेत्तर एवं आयोजनागत मदों को सम्मिलित करते हुए) तथा व्यय की स्थिति निम्नवत् हैः-

(रू0 लाख में)

क्र0 स0	योजना	2004-05		2005-06		2006-07		2007-08	
		बजट प्राविधान	व्यय	बजट प्राविधान (पुनर्विनियोग सहित)	व्यय	बजट प्राविधान (पुनर्विनियोग सहित)	व्यय	बजट प्राविधान	व्यय (जनवरी, 08 तक)
1	2	5	6	7	8	9	10	12	13
1.	खनन प्रशासन-मतदेय -भारित	264.50 0.50	260.56 --	300.29 --	294.08 --	334.04 --	312.86 --	335.08 0.01	276.08 ---
2.	खनिज अन्वेषण	584.83	579.35	670.53	664.63	717.20	693.79	713.37	589.78
3.	नई खनिज नीति,1998 के अन्तर्गत उ0प्र0 खनिज निधि से व्यय हेतु व्यवस्था	500.00	484.46	500.00	488.52	500.00	499.44	800.00	272.57
4.	उ0प्र0 खनिज विकास निधि को संकमण	500.00	500.00	500.00	500.00	500.00	500.00	800.00	800.00
5.	जमा संबद्ध बीमा योजना सरकारी भविष्य निधि	0.12	--	--	--	--	--	--	--
6.	मंहगाई भत्ते के लिए एक मुश्त प्राविधान	---	---	---	---	5.05	--	--	--
कुलयोग (आयोजनागत+ आयोजनेत्तर) **मतदेयः-** **भारितः-**		1849.45 0.50	1824.37 ---	1970.82 ---	1947.23 ---	2056.29 ---	2006.09 ---	2648.45 0.01	1938.43 --

(4) गत वर्ष में किये गये प्रमुख कार्यो का संक्षिप्त विवरण-

(क) <u>खनिज अन्वेषण</u>

वर्ष 2006-07 में प्रदेश के जनपद सोनभद्र, बांदा, एवं ललितपुर में सीमेन्ट श्रेणी चूना-पत्थर, चाइना क्ले, सिलिमेनाइट, सोना, हीरा, प्लेटिनम एवं सहधातुएं आकर्षक सैण्डस्टोन आदि खनिजों के अन्वेषण कार्य को जारी रखा गया, जिसके फलस्वरूप जनपद सोनभद्र में चूना-पत्थर, चाइनाक्ले एवं सिलिमेनाइट के अतिरिक्त भण्डार खोजे जा सके हैं। जनपद सोनभद्र में कुछ सोनायुक्त क्षेत्रों का पता चला है तथा ललितपुर में प्लेटिनम, इरीडियम एवं सोना धातुओं की उपस्थिति के उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। जनपद बांदा में कालिंजर के निकट बाघेन नदी के घाटी क्षेत्र में खोदे गये नये कुए से एक हीरा कण पाया गया है। इन अन्वेषण कार्यक्रमों के अन्तर्गत वर्ष 2006-07 में किये गये अन्वेषण कार्यो में उत्तरोत्तर उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं तथा 2006-07 में संचालित किये गये 03 नये कार्यक्रमों सोनभद्र में धात्विक खनिजों की खोज, ललितपुर की बेरवार शिलाओं में स्वर्ण की खोज एवं झांसी व महोबा की क्वार्ट्ज रिफर्स के मूल्यांकन सम्बंधी अन्वेषण कार्यो में प्रारम्भिक

खोज के अन्तर्गत संकलित किये गये नमूनों के विश्लेषण से आशाजनक परिणाम दृष्टिगोचर हो रहे हैं।

(ख) खनन प्रशासन

प्रदेश के खनिज उत्पादन एवं खनिज राजस्व में उत्तरोत्तर वृद्धि करने हेतु चालू क्षेत्रों के अतिरिक्त नये क्षेत्रों में परिहार स्वीकृत किये जा रहे हैं साथ ही साथ राजस्व की वसूली पर विशेष बल दिया जा रहा है। अवैध खनन एवं परिवहन को नियंत्रित करने हेतु विभिन्न जनपदों में अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गयी है तथा प्रवर्तन दल लगाये गये परन्तु भारत सरकार के संचालित संस्थानों द्वारा सोनभद्र के कोयला खदानों से उत्पादन में लगातार कमी होने के कारण कोयले से प्राप्त होने वाले खनिज राजस्व में काफी कमी आयी जिसके कारण वर्ष 2006-07 में राजस्व प्राप्ति हेतु निर्धारित राजस्व रू0 350.50 करोड़ के सापेक्ष रू0 344.76 करोड़ का ही राजस्व प्राप्त हो सका। उल्लेखनीय है कि इन प्राप्तियों में रू0 4.33 करोड़ की वसूली प्रभावी प्रवर्तन से सम्भव हुई। खनिज बाहुल्य क्षेत्रों के विकास हेतु उनमें अवस्थापना सुविधाओं, यथा-पहुँच/परिवहन मार्गो का निर्माण एवं पेयजल सुविधायें, श्रमिक कल्याण योजनाएं आदि, के विकास पर भी बल दिया जा रहा है।

(5) विकास के आगामी लक्ष्य तथा चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिए निर्धारित कार्यक्रमः-

(क) खनिज अन्वेषण

निर्धारित कार्यक्रम

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 में विभाग द्वारा खनिज अन्वेषण योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित 10 अन्वेषण कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं:-

1. जनपद सोनभद्र में सिलिमिनाइट खनिजीकरण का विस्तृत भू-वैज्ञानिक अन्वेषण।
2. जनपद सोनभद्र के रामगढ़-नौडिहा क्षेत्रों में चाइना क्ले व सम्बन्धित खनिजों का विस्तृत अन्वेषण।
3. जनपद ललितपुर में गिरार, टोरी, एवं खुटगॉव क्षेत्रों में ग्रेनाइट काम्पलेक्स में स्वर्ण धातु का विस्तृत अन्वेषण।
4. जनपद ललितपुर के इकौना डांगली क्षेत्रों में ग्रेनाइट काम्पलेक्स में पी0जी0ई0 के तत्वों का विस्तृत अन्वेषण।
5. जनपद सोनभद्र के हरदी तथा बागीसोती क्षेत्रों में विन्ध्यन सुपर ग्रुप के बेसल कांगलोमेरेट में प्लेसर गोल्ड का अन्वेषण।
6. जनपद बांदा के कालिंजर क्षेत्र में जेम स्टोन (हीरा) का विस्तृत अन्वेषण।
7. जनपद सोनभद्र में देवा इंजानी क्षेत्रों में बेसमेटल की खोज हेतु प्रारम्भिक भूवैज्ञानिक एवं भू-भौतिकी अन्वेषण।

8. जनपद ललितपुर की बेरवार फार्मेशन में स्वर्ण धातु की प्रारम्भिक खोज हेतु अन्वेषण।
9. जनपद झांसी एवं महोबा के चयनित क्षेत्रों में, स्थित बुन्देलखण्ड क्वार्टज रीफ का व्यापारिक उपयोग हेतु अन्वेषण।
10. जनपद सोनभद्र के जुँगेल-गरदा क्षेत्रों में चाइनाक्ले व संबंधित खनिज की खोज हेतु प्रारम्भिक अन्वेषण।
11. मेसर्स डी0वीयर्स कम्पनी के पक्ष में हीरा, सोना, प्लेटिनम आदि बहुमूल्य तत्वों की खोज हेतु पांच, मेसर्स बी0एच0पी0 खनिज अन्वेषण प्रा0लि0 के पक्ष में हीरा, प्रीसियस गोल्ड, निकिल कापर, लेड, जिंक आदि की खोज हेतु चार तथा मेसर्स हीरा कुण्ड डायमण्ड एक्सपलोरेशन प्रा0 लि0 के पक्ष में हीरा, गोल्ड निकिल कापर, लेड जिंक, प्रीसियस स्टोन, आदि की खोज हेतु एक, कुल दस अविक्षी अनुज्ञा-पत्र (रिकोनेसेन्स परमिट) पर क्षेत्र स्वीकृत किये गए हैं।

12. आयल एण्ड नैचुरल गैस कारपोरेशन के पक्ष में तेल की खोज हेतु कुल चार पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन लाइसेंस स्वीकृत करते हुए क्षेत्र चिन्हित किये गये हैं।

खनिज अन्वेषण हेतु लक्ष्यों का निर्धारण

उक्त खनिज अन्वेषण कार्यक्रमों द्वारा प्रदेश में खनिजों के विकास के साथ खनिज आधारित औद्योगीकरण पर बल देने तथा बहुमूल्य खनिजों की सम्भावना वाले श्रोतों की खोज हेतु खनिज अन्वेषण के अन्तर्गत सोना, हीरा, प्लेटिनम, पैलेडियम, चाइनाक्ले, सिलिमेनाइट तथा इमारती पत्थरों के भण्डारों की खोज के लक्ष्य निर्धारित किये गये है। उक्त के अतिरिक्त भूवैज्ञानिक तथा खनिज आंकड़ों को ऑन लाइन करने के लिए विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों तथा क्वैरी कार्यालयों में कम्प्यूटरीकरण की व्यवस्था सम्मिलित की जा रही है।

वर्ष 2008-09 में खनिज अन्वेषण कार्यक्रमों के भौतिक लक्ष्य निम्नवत् प्रस्तावित हैः-

क्रम संख्या	विधा	लक्ष्य
1.	वेधन (मीटर)	2000.00
2.	पिटिंग/ट्रेंचिंग (घन मीटर)	1200.00
3.	भूवैज्ञानिक मानचित्रीकरण 1:2000-1:5000(वर्ग कि0मी0)	8.00
4.	ट्रेवर्सिंग (वर्ग कि0मी0)	600.00

(ख) खनन प्रशासन

निर्धारित कार्यक्रम

खनन प्रशासन योजनाओं के अन्तर्गत खनिज उत्पादन में वृद्धि करने, खनिज परिहारों को व्यवस्थित करने तथा अधिकतम राजस्व अर्जित करने पर बल दिया जा रहा है। वर्ष 2007-08 हेतु

खनिजों से राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य रू0 448.96 करोड़ है, जिसके सापेक्ष माह जनवरी, 2008 तक रू0 295.15 करोड़ की प्राप्ति हो चुकी है।

कोयले के उत्पादन के साथ-साथ प्रदेश के राजस्व में वृद्धि लाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत बीना-2 एवं कृष्णशिला परियोजना इसी वित्तीय वर्ष में चालू कराने के लिए वन विभाग से अनापत्ति प्राप्त कर उत्पादन एवं निकासी इसी वित्तीय वर्ष में प्रारम्भ हो गयी है तथा अगले वित्तीय वर्ष में कोयले से राजस्व में वृद्धि परिलक्षित होने लगेगी।

खनन प्रशासन हेतु लक्ष्यों का निर्धारण

वर्ष 2008-09 में खनन प्रशासन के अन्तर्गत प्रदेश में अधिकतम खनिज उत्पादन हेतु कार्य योजना बनाई गयी है जिसमें खनिज आधारित औद्योगीकरण को प्रोत्साहित किया जायेगा, ताकि खनिजों से प्राप्त राजस्व में वृद्धि हो सके। वर्ष 2008-09 हेतु खनिजों से राजस्व का लक्ष्य रू0452.76 करोड़ प्रस्तावित है। इसी सत्र में विभाग में एक पर्यावरण सेल स्थापित करने का प्रस्ताव है इसके अन्तर्गत खनन योजनाओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जायेगा जिससे पर्यावरण एवं परिस्थितिकी पर नियमानुसार नियत्रंण रखा जा सके।

भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय,उत्तर प्रदेश,लखनऊ।

संगठनात्मक ढांचा

निदेशक

संयुक्त निदेशक

मुख्यालय	क्षेत्रीय कार्यालय									क्वैरी कार्यालय
उप निदेशक–2 कुल कार्मिक 335	लखनऊ ज्येष्ठ खान अधिकारी कुल कार्मिक–18	झाँसी भूवैज्ञानिक कुल कार्मिक–48	इलाहाबाद भूवैज्ञानिक कुल कार्मिक–21	सोनभद्र भूवैज्ञानिक कुल कार्मिक–53	गोरखपुर खान अधिकारी कुल कार्मिक–07	फैजाबाद खान अधिकारी कुल कार्मिक–07	आगरा खान अधिकारी कुल कार्मिक–07	बरेली खान अधिकारी कुल कार्मिक–06	मेरठ भूवैज्ञानिक कुल कार्मिक–08	31 जनपद कुल कार्मिक–125

1– निदेशालय में कुल स्वीकृत कार्मिकः 510+125=635

2– निदेशालय की योजनायें–खनिज अन्वेषण एवं खनन प्रशासन सम्मिलित रूप से कियान्वित की जाती है।

इस कारण दोनों योजनाओं का संगठनात्मक ढांचा सम्मिलित रूप से प्रस्तुत है।

टिप्पणीः– निदेशालय में 67 अधिसंख्य पदों पर कार्यरत कार्मिकों को उक्त स्वीकृत पदों में सम्मिलित नहीं किया गया है।

क्वैरी/जनपदीय कार्योलयों 09 अधिसंख्य पदों पर कार्यरत कार्मिकों को उक्त स्वीकृत पदों में सम्मिलित नहीं किया गया है।

अध्याय:ई-गवर्नेन्स की प्रगति
(कार्यपूर्ति दिग्दर्शक आय-व्ययक वर्ष:-2008-09)

भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय,उ0प्र0,प्रदेश का एक वैज्ञानिक एवं तकनीकी विभाग है जिसका प्रदेश में खनिज अन्वेषण, खनिज विकास व शोध एवं खनन प्रशासन,खनिज राजस्व से संबंधित कार्य किये जाने का दायित्व है। अन्वेषण विधा के अन्तर्गत प्रदेश में खनिज सम्पदा की खोज, उनके विकास, खनिज अनुसंधान के अन्तर्गत विभाग द्वारा प्रदेश में पाये जाने वाली खनिज सम्पदा की खोज भूवैज्ञानिक,भू-भौतिक, रसायनिक विश्लेषण,वेधन विधाओं के एकीकृत प्रयास से किया जाता है। विभाग द्वारा प्रदेश में खोज गये खनिज भण्डारों के दोहन एवं संबंधित नियंत्रण का कार्य खनन प्रशासन के अन्तर्गत किया जाता है। उक्त कार्य कलापों हेतु विभाग के लिए ई-गवर्नेन्स की रणनीति बनाने हेतु आंकड़ों को यथाशीघ्र प्राप्त करने एवं उनको सूचित करने तथा आंकड़ों के संकलन एवं अर्थ निकालने तथा विभिन्न विचारों एव धारणाओं का अन्वेषण के क्षेत्र में आदान-प्रदान,खनिज परिहारों तथा उन पर लिये गये निर्णयों सहित आंकड़ों के ऑन-लाइन संप्रेषण/प्रबंधन की आवश्यकता है ताकि प्रदेश में खनिज विकास के कार्यक्रमों को और प्रभावी/त्वरित गति से कार्यान्वित करते हुए आशातीत परिणामों को ई-गवर्नेन्स के माध्यम से यथाशीघ्र प्राप्त किया जा सके तथा साथ ही साथ "उत्तर प्रदेश खनिज नीति 1998" के अन्तर्गत उद्यमियों एवं अन्य को वांछित आंकड़े/सूचना सुलभ कराया जा सके। निजी व्यक्तियों/उद्यमियों को सूचना/आंकड़ों को निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध होने से उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। ई-गवर्नेन्स की प्रगति के संबंध में बिन्दुवार आख्या निम्नवत् है:-

(1) विभाग में ई-गवर्नेन्स लागू करने हेतु लक्ष्य एवं योजना:-

क्र0 सं0	योजना का शीर्षक	लक्ष्य
1	2	3
(क)	खनिज विकास	खनिज अन्वेषण संबंधित डेटा/कार्य का कम्प्यूटर के माध्यम से त्वरित गति से सम्प्रेषण, डेटा का इन्टरप्रिटेशन एवं संबंधित विभागों/संस्थाओं से नेट-मीटिंग/ आंकड़ों जिसमें खनिज नमूनों का रसायनिक विश्लेषण डेटा,भू-भौतिकीय ऑकड़े आदि हैं, का आन-लाइन प्रबंन्धन/प्रेषण। आंकड़े संग्रहीत करने के लिए क्षेत्रीय पार्टियों/अधिकारियों को जी0पी0एस0उपकरण उपलब्ध करा दिये गये हैं तथा क्षेत्रीय ऑकड़ों की प्रोसेसिंग हेतु अन्वेषण साफ्टवेयर उपलब्ध कराये गये है। निदेशालय के समस्त कार्यकलापों को ई-गर्वनेंस के अन्तर्गत लाने के लिए साफ्टवेयर विकसित कराने का कार्य मार्च, 2008 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।
(ख)	खनन प्रशासन	समस्त क्षेत्रीय कार्यालयों एवं क्वैरी कार्यालयों को इन्टरनेट के माध्यम से कनैक्टीविटी प्रदान करना जिससे दिन प्रतिदिन की राजस्व का अनुश्रवण किया जा सके। कार्यकलापों का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है।
(ग)	वार्षिक योजना व पंचवर्षीय योजना प्रस्ताव तथा आय-व्ययक पर प्रभावी नियंत्रण	1-वार्षिक योजना एवं पंचवर्षीय योजना के प्रस्ताव समय-समय पर शासन को प्रेषित करना। 2-आय-व्ययक अनुमान, कार्यपूर्ति दिग्दर्शक बजट, पुनरीक्षित अनुमान, व्ययाधिक्य/ बचत का प्रारम्भिक व अन्तिम विवरण,पुनर्विनियोजन प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्रों बी0एम0-1 (भाग-1व 2) 4,15 आदि पर प्रेषण। 3-निदेशालय के मुख्यालय व अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा किये गये व्ययों का विवरण, निर्धारित प्रपत्र बी0एम0-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाना।

(घ)	सामान्य प्रशासन	1–सामान्य प्रशासनके अन्तर्गत बजट मानीटरिंग सिस्टम,पत्रावली मानीटरिंग सिस्टम,पत्र मानीटरिंग सिस्टम,वाद मानीटरिंग सिस्टम,स्टोर इन्वेन्ट्री/लाइब्रेरी इनफारमेशन सिस्टम,परसोनेल इनफारमेशन सिस्टम,शासनादेशों का डिजीटाइजेशन आदि से संबंधित साफ्टवेयर विकसित कराया जाना। 2–वेतन बीजक,एरियर तथा कार्मिकों के सामान्य भविष्य निधि व पेंशन संबंधी कार्यो को कम्प्यूटरीकृत किया जाना।
(ड.)	विविध कार्य	निदेशालय कार्यकलापों से संबंधित विविध कार्यो को कम्प्यूटरीकृत किया जाना।

(2) विभाग में ई–गवर्नेन्स के समावेश हेतु रखे गये लक्ष्य के सापेक्ष प्रगतिः–

प्रदेश के खनिज संसाधन तथा खनिज आधारित उद्योगों एवं विभाग द्वारा उद्यमियों को उपलब्ध करायी जाने वाली सूचनाओं को विभागीय वेबसाइट तैयार कर इंटरनेट पर एन0आई0सी0 के माध्यम से जारी कर दिया गया है जो भारत सरकार के बेवसाइट पर भी उपलब्ध है तथा इस वेबसाइट को उद्योगबन्धु की वेबसाइट से भी हाइपरलिंक कर दिया गया है।

विभाग को ई–गर्वनेन्स के अन्तर्गत लाने के लिए सभी अनुभागों के कार्य कम्प्यूटराइज करने, सर्वर स्थापित करके विभाग के कम्प्यूटरों को नेटवर्क करने एवं डेटाबेस प्रोग्राम साफ्टवेयर व सिस्टम स्टडी का कार्य कर लिया गया है तथा मार्च, 2008 तक एप्लीकेशन साफ्टवेयर विकसित करा लिया जायेगा। तीव गति के वाइड एरिया नेटवर्क. लैन स्थापित करने का कार्य किया जाना योजित है।

(3) विभाग में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग की वर्तमान स्थितिः–

(क) विभाग में कम्प्यूटरीकरण की स्थिति/विभाग में उपलब्ध कम्प्यूटर सिस्टम एवं उन पर हो रहे कार्यो का संक्षिप्त विवरणः–

निदेशक, संयुक्त निदेशक व सात अन्य वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों को पी–4 श्रेणी के कम्प्यूटर उपलब्ध हैं तथा उत्तर प्रदेश खनिज नीति, 1998 के अनुपालन में निदेशक कैम्प के अन्तर्गत गठित "डेटा–सेल" (कम्प्यूटर कोष्ठक) में एक वर्कस्टेशन पी0सी0 जिस पर इन्टरनेट व वेबसाइट से संबंधित कार्य व अन्य महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त वेतन बीजक संबंधी कार्यो हेतु एक, खनन एवं स्थापना में दो–दो तथा विधि, भण्डार व लेखा अनुभागों हेतु एक–एक व अन्य कम्प्यूटर उपलब्ध हैं। विभाग में कुल 37 कम्प्यूटर उपलब्ध हैं।

(ख) विभागीय कार्य, जो कम्प्यूटर पर पूर्ण रूप से संचालित किये जा रहें होः–

विभागीय राजस्व का अनुश्रवण, विभिन्न न्यायालयों में चल रहें वादों का विवरण एवं अनुश्रवण तथा लेखा संबंधी कार्य डाकूमेन्टस् फाइल के रूप में किये जा रहे हैं।

(ग) विभाग में नेटवर्क द्वारा विभागीय अधिकारियों को अधीनस्थ अधिकारियों से जोड़ने की स्थितिः–

नेटवर्क द्वारा क्षेत्रीय कार्यालयों को मुख्यालय से जोड़ने की कार्यवाही कम्प्यूटरीकरण योजना के अन्तर्गत की जा रही है। अगले वित्तीय वर्ष में आरम्भ होगी।

(घ) विभाग में इण्टरनेट कनेक्टिविटी एवं उसके द्वारा ई–मेल सुविधा के उपयोग की स्थितिः–

इण्टरनेट कनेक्टिविटी ब्राण्ड–बैण्ड सुविधा उपलब्ध है एवं ई–मेल द्वारा सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जा रहा है।

(ड.) विभाग से संबंधित डाटा का कम्प्यूटरीकरण/डेटा बैंक का गठनः–

विभागीय कार्यो, प्रदान की जा सकने वाली सेवाओं,खनन प्रशसन से संबंधित डेटा/सूचना व शासनादेश, एक्ट एवं रूल्स् व संबंधित शासनादेश,सिटीजन चार्टर आदि विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है।

उत्तर प्रदेश खनिज नीति,1998 के अन्तर्गत निदेशालय में डेटा बैंक(कम्प्यूटर कोष्ठक) का गठन वर्ष,2000 में किया गया था। सर्वर की स्थापना आफिस ओटोमेशन एवं नेटवर्किंग की व्यवस्था की जा रही है।

(4) विभाग में मानव संसाधन की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रशिक्षण की स्थितिः–

अब तक 139 कार्मिकों को प्रारम्भिक कम्प्यूटर तथा विशिष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

(5) विभाग के कार्य, जो कम्प्यूटर पर स्थानान्तरित किये गये हों अथवा किये जाने हों, के उपयोग में आने वाले साफ्टवेयर के विकास की स्थितिः–

विभाग में वादों की मानीटरिंग तथा वेतन बीजक संबंधी कार्य कम्प्यूटर पर पूर्णतः साफ्टवेयर के माध्यम से किये जा रहे हैं। आफिस आटोमेशन साफ्टवेयर की व्यवस्था मार्च,2008 तक पूर्ण कर लिया जाना है।

(6) पब्लिक इन्टरफेस के लिए चयनित कार्यकलाप एवं उस पर की गयी कार्यवाही का विवरणः–

पब्लिक इंटरफेस हेतु संबंधित सूचनाएँ विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गयी हैं, जो इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

(7) विभाग में ई–गवर्नेन्स के उपयोग से जनसाधारण को मिलने वाली सुविधा/लाभ की स्थितिः–

इंटरनेट पर विभागीय वेबसाइट जारी होने के उपरांत ऑकड़ों /सूचना का उद्यमियों द्वारा उपयोग किया जा रहा है।

(8) पारदर्शिता के हित में विभागीय कार्यकलापों/प्रगति को दर्शाने हेतु इन्टरनेट/इन्टरनेट के माध्यम से आवश्यक सूचना/प्रपत्रों/निविदा आदि को उपलब्ध कराने की स्थिति का विवरणः–

विभागीय कार्यकलापों/प्रगति को दर्शाने हेतु इन्टरनेट के माध्यम से आवश्यक नियमों,सूचना/ प्रपत्रों,निविदा आदि को विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है तथा समय–समय पर अपडेट किया जा रहा है।

(9) नीतिगत निर्णय/नियम/विनियम/अधिसूचना/आदेश आदि को डिजिटाइज करने के कार्य की प्रगतिः–

खनिज अन्वेषण की टेक्निकल रिपोर्टस एवं संबंधित मानचित्रों को डिजिटाइज करने का कार्य प्रगति पर है।

(10) विभाग द्वारा ई–गवर्नेन्स क्षेत्र में अनुकरणीय कार्यो की सूचना(यदि कोई हो):–

विभिन्न न्यायालयों की योजित वादों की मॉनिटरिंग हेतु विभाग में साफ्टवेयर का प्रयोग किया जा रहा है।